Demand to put up a strong case against Punnu with authorities in United States

श्री रवनीत सिंह **(**लुधियाना**) :** माननीय सभापति महोदय, आपकी आज्ञा से मैं जो इश्यू उठाना चाहता हूँ वह सारे देश का है और मेरे नेटिव स्टेट पंजाब का भी है। वैसे तो सभी खबरों में, सभी चैनलों में सुनने में आ रहा है कि अभी जो एफबीआई डायरेक्टर हैं, वे इसी हफ्ते में हमारा देश विजिट करने वाले हैं। अगर मैं कहूँ कि बहुत कंवेंशंस हैं, चाहे वे डिप्लोमैटिक रिलेशंस की हों, चाहे बायलैट्रल रिलेशंस की हों, हम रिस्पेक्ट करते हैं, हम वैल्यू करते हैं, लेकिन अगर वन वे ट्रैफिक होगा, तो यह कैसे चलेगा। इसलिए मैं जो बात आपके सामने रखना चाहता हूँ, I failed to understand, कि हम लगातार 26 बार जोकर पन्नू के बारे में लिखकर अमेरिका को लिखकर दे चुके हैं।

13.00 hrs

महोदय, वे कहते हैं कि परफेक्ट प्रूफ चाहिए, अब्सोल्यूट प्रूफ चाहिए। हमें तो समझ नहीं है कि वह कौन सा प्रूफ है?

महोदय, दूसरा, मैं एक बात आपके ध्यान में लाना चाहता हूँ, फादर लाइक सन, इसी तरीके से वर्ष 1982 में, जब सरकार ने लिखा था, उस टाइम मास मर्डर, सबसे बड़ा मास मर्डर अगर कहीं कनाडा में हुआ है तो वह कनिष्क एयरलाइन वाला हुआ था, जिसमें 300 से ऊपर लोग मारे गए थे। उस टाइम भी बार-बार हमारे देश ने बोला और कनैडियन पुलिस ने उसे इग्नोर किया। हमारे बार-बार कहने पर भी उसने बिल्कुल इग्नोर किया। जो उनकी पुलिस है। मैं अभी यहाँ पर पढ़ रहा था।

माननीय सभापति **:** आप संक्षेप में अपनी बात कहिए। बिट्टू जी, संक्षेप में बोलिए।

श्री रवनीत सिंह **:** सर, मैं एक मिनट में अपनी बात समाप्त कर रहा हूँ। आरसीएमपी**,** जो रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस है, उसने हमारी बात पर बिल्कुल भी अमल नहीं किया और वह सबसे बड़ा मास मर्डर हुआ।

दूसरा, अब जो हो रहा है, आप इस पार्लियामेंट में बैठे हैं, वह एक जोकर पन्नू हमारी पार्लियामेंट को उड़ाने की बात करे। वह कह रहा है कि 13 तारीख को हम पार्लियामेंट उड़ाएंगे और जो भी एयर इंडिया एयरलाइन्स में चढ़ेगा, वह जिम्मेदारी उसकी होगी। अब वह एयरलाइन हम उड़ा देंगे।

सर, मैं आखिरी बात कह रहा हूँ। मैं ठीक कहता हूँ, किसी के देश में किसी को मारने की कोई इंक्वायरी चल रही है, न कोई मार रहा है, न हमारा कोई हक है, न हमारा ऐसा देश है, लेकिन अगर वह यहाँ पर नहीं लाया जाता, स्पेशियली जो दो देश हैं, कनाडा और अमेरिका जो कर रहे हैं, हमारे नौजवानों को, जिनको पता ही नहीं है, उनको 100 डॉलर देकर उनसे दीवारों पर खालिस्तान लिखवाते हैं और बाद में एनआईए उनको पकड़कर ले जाती है। एमईए, जो हमारा विदेश मंत्रालय है।? (व्यवधान)